History

साइमन कमीशन [1927-1928] Simon Commission [1921-1928]

1919 के भारत शासन अधिनियम में यह प्रावधान था अधिनियम पारित होने के 10 वर्ष बाद संवैधानिक आयोग की नियुक्ति की जाएगी जो इस बात की जांच करेगा कि अधिनियम कहां तक सफल रहा।

The Government of India Act of 1919 had a provision that a Constitutional Commission would be appointed 10 years after the passing of the Act, which would investigate to what extent the Act was successful.

1919 Act ⇒ पारित ⇒ भारत में सुधार ⇒ 10 वर्षों के पश्चात् कमीशन की नियुक्ति

1919 Act ⇒ प्रांतो [Province] में द्वैध शासन लागू

Dyarchy Rule

प्रांतीय विषय

आरक्षित (Reserved)

हस्तांतरित (Transferred)

प्रांतो में विफल [failed in province]

1929

↳ कमीशन का गठन

↳ लेकिन गठन 1927 में

साइमन कमीशन [Siman Commission]

→ गठन ⇒ (formed) - 8 - Nov. 1927

⇒ अध्यक्ष → जॉन साइमन

⇒ कुल सदस्य (1+6) ⇒ 7 ⇒ सबके सब अंग्रेज

⇒ साइमन कमीशन (श्वेत आयोग / White Commission)

⇒ 3 Feb. 1928 को बाम्बे (मुम्बई) पहुंचा

⇒ बहिष्कार ⇒ Go back Siman

साइमन कमीशन का गठन ⇒ 8 Nov. 1927 ई० को भारत के राज्य सचिव बर्केनहैड द्वारा जॉन साइमन की अध्यक्षता में 7 सदस्य वाला आयोग का गठन हुआ

Formation of Siman Commission = On 8 Nov. 1927, a 7- member Commission was formed under the Chairmanship of John Simon by birkenhead, the Secretary of State for

क्योंकि सभी सदस्य अंग्रेज थे।

साइमन कमीशन का अन्य नाम श्वेत आयोग

The other name of the Simon Commission is white Commission

साइमन कमीशन के 7 सदस्यों में जान साइमन अध्यक्ष Among the 7 members of the Siman Commission, Chair of Simon Commission - John Simon.

गठन - 1927

11 Dec. 1927 को प्रयागराज में हुए सर्वदलीय सम्मेलन में साइमन कमीशन के बहिष्कार का निर्णय लिया गया / On 11 Dec. 1927, in the all-party Conference held in prayagraj, it was decided to boycott the Simon Commission.

कमीशन के आगमन के समय भारत का G.G. इरविन था। At the time of the arrival of the Commission the president of India was G.G. Irwin.

Imp.

इरविन के सुझाव पर भारतीयों को साइमन कमीशन से बाहर रखा गया था

Imp.

On the Suggestion of Irwin, Indians were kept out of the Simon Commission

कमीशन का भारत आगमन 3 Feb. 1928 को मुम्बई पहुंचा तो काले झण्डे दिखाए तथा Simon Go back का नारा तथा मुम्बई में हड़ताल रखा।

When the Commission arrived in India on 3 feb. 1928, it reached Mumbai and black flags were Show to it and the Slogan of Simon Go Back was raised and a strike was organized in Mumbai

Simon Go Back का नारा यूसूफ मेहर अली ने दिया था
The Slogan of Simon Go Back was given by Yusuf Mehar Ali

लखनऊ में खली कुज्जमा तथा मद्रास में टी० प्रकाशन ने आयोग का विरोध किया था। Khalil Kujjama in Lucknow and T. Prakasan in Madras opposed the Commission

लखनऊ मे जवाहर लाल नेहरू तथा गोविंद वल्लभ पंत को कमीशन का विरोध करते समय लाठी चार्ज झेलना पड़ा था। Jawaharlal Nehru and Govind Vallabh Pant had to face lathi charge while opposing the Commission in Lucknow.

31 Oct 1928 को लाहौर में लाला लाजपत राय के नेतृत्व में साइमन कमीशन का विरोध किया गया

On 31 Oct. 1928, Simon Commission was opposed in Lahore under the leadership of lala Lajpat Rai.

लाला लाजपत राय पर लाहौर के पुलिस अधीक्षक स्कॉट ने लाठी बरसाई थे।
Lala Lajpat Rai was beaten with a stick by Lahore's police Superintendent Scott.

लाला लाजपत राय की मृत्यु पर गांधी जी ने कहा कि सौरमण्डल से एक सितारा डूब गया।
On the death of Lala Rajpat Rai, Gandhiji said that a star has set from the Solar System.

सर शिव स्वामी अय्यर ने इसकी रिपोर्ट को रद्दी की टोकरी में फेंकने लायक बताया था
Sir Shiva Swami Iyer Said that this report should be thrown in the dustbin.

साइमन कमीशन की रिपोर्ट
30 June 1930 पेश

कमीशन की रिपोर्ट :- Report of the Commission

(1) कमीशन ने द्वैध शासन को समाप्त करने एवं प्रांतों को स्वयत्ता सौंपने की मांग की थी। The Commission demanded the abolition of Dyarchy and granting autonomy to the provinces.

द्वैध शासन का जनक
↳ लियोनिल कर्टिस

[2] गवर्नर जनरल एवं गवर्नरों के अधिकार को बढ़ाने का सुझाव दिया था।
It suggested increasing the powers of the Governor General and Governors.

[3] प्रांतीय विधानमंडलों का विस्तार एवं मुसलमानों को विशेष प्रतिनिधित्व देने का प्रस्ताव रखा।
It proposed the expansion of provincial legislatures and special representation to Muslims.

1928 में साइमन कमीशन प्रशासनिक सुधार पर विचार के लिए भारत आया था।
In 1928, the Simon Commission came to India to consider administrative reforms.

⇒ भारतीयों द्वारा लगातार साइमन कमीशन का विरोध करने के कारण भारत राज्य सचिव बर्केनहेड ने INC के नेताओं को एक ऐसा संवैधानिक प्रारूप (Constitutional Draft) बनाने को कहा जिससे सभी सहमत हो।

⇒ INC ने इस चुनौती को स्वीकार किया और पं. मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय समिति का गठन 1928 में किया।

⇒ समिति रिपोर्ट (नेहरू रिपोर्ट) ⇒ 10 Aug. 1928 को, इस समिति ने अपनी रिपोर्ट दी।

⇒ नेहरू रिपोर्ट विरोध में मो० अली जिन्ना ने अपनी 14 सूत्रीय मांग 29 March 1929 को पेश की।

सविनय अवज्ञा आंदोलन [Civil Disobedience Movement] [1930-1934]

शुरुआत :- 12 March 1930 ई० को साबरमती आश्रम (अहमदाबाद)

Beginning :- 12 March 1930 at Sabarmati Ashram (Ahmedabad)

दांडी मार्च ⇒ 12 March 1930 – 6 April. 1930

1929 ई० में कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में कांग्रेस कार्यकारिणी सभा में सविनय अवज्ञा आंदोलन को शुरू करने का अधिकार दिया गया।

In 1929, in the Lahore Session of the Congress Working Committee was given the right to start the Civil Disobedience Movement.

अध्यक्ष ⇒ प० जवाहर लाल नेहरू

मांग ⇒ पूर्ण स्वराज (Full Independency)

दांडी मार्च Dandi March :- 12 March 1930 - 6 April 1930

कुल सहयोगी :- 78 सदस्य - सर्वाधिक संख्या गुजरात
total participants :- 78 members - Highest number Gujarat

दूरी ⇒ 385 km. (241 मील) / Distance - 385 km. (241 miles)

यात्रा ⇒ 24 Day's / Trip ⇒ 24 Day's

दांडी यात्रा का प्रारंभ करते समय गांधी जी ने कहा था कि शान्ति के विरुद्ध अधिकार को इस लड़ाई में मैं विश्व की सहानुभूति चाहता हूं।
While Starting the Dandi march, Gandhi ji had Said that I want the Sympathy of the world in this fight for power against power.

दांडी यात्रा "अंत तक लड़ो" (Imp.) आदर्श वाक्य के साथ शुरू की गई थी।
The Dandi march was started with the motto "Fight till he end".

नमक कानून का उल्लंघन ⇒ 6 April 1930 को दांडी (नौसारी जनपद गुजरात)

Violation of Salt law → 6 April 1930 at Dandi (Navsari district, Gujarat)

Imp.

सुभाष चन्द्र बोस ने गांधी जी की दांडी यात्रा नेपोलियन के एल्बा से पैरिस तथा मुसोलिनी की रोम मार्च से तुलना की थी।

Subhash Chandra Bose Compared Gandhiji's Dandi March to Napoleon's Elba to paris and Mussolini's Rome March

गांधी जी ने दांडी यात्रा के दौरान माही नदी को पार किया था। Gandhi Crossed the Mahi river during the Dandi march.

Imp.

सविनय अवज्ञा के दौरान पश्चिमोत्तर सीमा प्रांत में गढ़वाल सैनिकों ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने से इंकार कर दिया था।

During the Civil Disobedience, the Garhwal Soldiers in the North-West Frountier province refused to fire on the demonstrators.